दिनांक: 16 सितम्बर 2017

प्रति,
माननीय प्रधानमंत्री जी,
साउथ ब्लाक,
रायसीना हिल,
नई दिल्ली

्परण की समय साररणी जाहिर करने बाबद

मान्यवर,

्मदा घाटी के लोगों के साथ हो रहे अन्याय और अत्याचार के खिलाफ एक कड़ा कदम उठाने का निवेदन किया है | ्रिया प्राप्त ना होना, हमारे लिए दुखद है|

हमारी कोशिश के एकदम विपरीत, कुछ समय पहले ही हमें अखबारों और मीडिया द्वारा यह जानने को मिला कि ्परण के बाद डूब जायेंगे वो भी बिना पुनर्वास के, यह आपको मंज़ूर है?

्मदा घाटी के 244 गाँव और एक नगर प्रभावित हैं जिसमे मध्यप्रदेश में 192 गाँव और 1 नगर है| मध्यप्रदेश के 40 हज़ार परिवार (2 लाख 50 हज़ार से ज्यादा लोग) अभी भी मूल गाँव में निवासरत है जिनका पुनर्वास नहीं हुआ है| ्मदा घाटी के लोग होंगे लेकिन साथ ही लाखों पेड़, जंगल, हजारों मवेशी, सेंकड़ों धार्मिक स्थल, हजारों हेक्टेयर, उपजाऊ ज़मीन और घाटी की संस्कृति भी होगी | गुजरात की केवड़िया कॉलोनी में 1 साल से धरने पर विस्थापित ्मदा घाटी के 37 लोग जल, जमीन, जीविका हक जलसत्याग्रह पर बैठे अपनी हक की लड़ाई लड रहे हैं| हम आपसे यही कहना चाहेंगे की आप देश के मुखिया होते हुए एक बार फिर सोचें और लाखों लोगो की जल्हत्या में अपना सहयोग ना दे|

्यक्रम और 17 के बाद आप किस तरह घाटी को डुबायेंगे उसकी समय साररणी को आप ज़ाहिर करें और साथ ही ्रण नहीं है ?

आपने विनीत,

्मदा घाटी के विस्थापित